भारत में कार पार्किंग की बढ़ती समस्या

भारत के महानगरों की बिगड़ती फिज़ा और उपलब्ध स्थान के विवेकहीन इस्तेमाल को देखते हुए विशेषज्ञ इन शहरों में कार पार्किंग व्यवस्था को सुधारने के लिए सुझाव देने को आगे आए हैं।

नई दिल्ली स्थित एनजीओ सेंटर फॉर साइंस और एन्वायर्मेंट (सीएसई) ने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जिसमें सिविल सोसायटी के प्रतिनिधि, देश-विदेश के विशेषज्ञ और शहरों के नियमन के लिए ज़िम्मेदार अधिकारी शामिल हुए और उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि 'एक रहने योग्य शहर के लिए पार्किंग' कैसा हो।

सम्मेलन में प्रमुख बात यह उभरी कि बड़े शहरों में पार्किंग की समस्या के मुख्य कारण कारों पर बढ़ती निर्भरता और पार्किंग सुविधा का मुफ्त में उपलब्ध होना हैं। सीएसई की रिसर्च और एडवोकेसी की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉय चौधरी कहती हैं, "इसका हल यह नहीं है कि पार्किंग के लिए जगह बढ़ाई जाए, बल्कि यह है कि यातायात के अन्य तरीकों को बढ़ावा दिया जाए और जगह को अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यों के लिए मुक्त किया जाए।"

दिल्ली की लगभग 10 प्रतिशत शहरी ज़मीन पार्किंग के लिए इस्तेमाल होती है लेकिन कार मालिक इस पार्किंग में इस्तेमाल हो रही ज़मीन के लिए बहुत कम शुल्क अदा करते हैं। कारें कुल सवारियों में से मात्र 14 प्रतिशत को ढोती हैं मगर वे सड़कों, पैदल चलने वाले स्थानों और हरित स्थानों को पूरी तरह घेर लेती हैं। पार्किंग के कारण प्रदूषण, भीड़भाड़, ट्रॉफिक की धीमी गति और ईंधन की बर्बादी जैसी अन्य समस्याएं भी पैदा होती हैं।

वाहन-जनित प्रदूषण को कम करने व शहरी भूमि के बेहतर उपयोग के लिए इस सम्मेलन में पार्किंग के बेहतर प्रबंधन, भुगतानशुदा पार्किंग और यातायत के अन्य तरीकों को बढ़ावा देना जैसे उपाय सुझाए गए।

हांगकांग जैसे शहरों में शहर के बीचों-बीच स्थित दफ्तरों की इमारतों में बहुत कम पार्किंग स्थान होता है। ये दफ्तर यातायात के अन्य साधनों से भलीभांति जुड़े होते हैं। टोक्यो जैसे शहरों में कारों की संख्या बहुत अधिक होने के बावजूद, व्यावसायिक इमारतों में प्रति 100 वर्ग मीटर पर पार्किंग के लिए केवल 0.5 पार्किंग स्लॉट दिए जाते हैं। इसके विपरीत दिल्ली में 1000 लोगों पर 115 कारें हैं और प्रति 100 वर्ग मीटर दो से तीन पार्किंग स्लॉट दिए गए हैं।

हाल में भारतीय प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट से सिफारिश की है कि शहरों में और अधिक पार्किंग की जगहों पर विराम लगाया जाए। प्रत्येक कार मालिक अपनी कार पार्किंग की जगह के लिए पैसा दे। ***(स्रोत फीचर्स)***